VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS RECEIVED NO. 03 JAN 2022

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1862)

Name of Candidate	AMAR MEENA		
Medium Eng./Hindi	HINDI	Registration Number	27244
Center	ORN	Date	8/01/2022

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. Jyotiba Phule was not only a key social reformer but also a patron of literary works. Discuss. **(150 words) 10**

ज्योतिबा फुले न केवल एक प्रमुख समाज सुधारक थे बल्कि साहित्यिक कार्यों के संरक्षक भी थे। विवेचना कीजिए।

ज्योतिबा फुले १९वीं सदी की समाज सुधारक थीं।

प्रमुख समाज सुधार के कार्य :→

① ज्याति प्रथा का घोर विरोध

② महिला शिक्षा हेतु प्रयास - १९५१ में सावित्री बाई फुले के साथ बालिका विद्यालय की स्थापना।

③ ब्राह्मण वादी वर्चस्व की मुखालफत

④ सत्य शोधक समाज की स्थापना (१८७३)

साहित्यिक कार्य।

① कहानीयाँ - तृतीय रत्न, ब्राह्मणांचे कसाब, नैशारा आदि।

② सत्य शोधक समाज हेतु विभिन्न लेख "शेतकऱ्याचा आसूड" आदि।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ नाटक लेखन → सतसर अंक I तथा II .

इस प्रकार ज्योतिबा फूले का योगदान जाति प्रथा के विरोध, महिला सशक्तिकरण तथा मराठी साहित्य के विकास हेतु माना जाता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Cave paintings in India have a long tradition with both religious as well as secular attributes. Elucidate.

(150 words) 10

भारत में गुफा चित्रकला की धार्मिक और धर्मनिरपेक्ष दोनों विशेषताओं से युक्त एक दीर्घ परंपरा रही है। स्पष्ट कीजिए।

भारत में गुफा चित्रकला के प्रारंभिक उदाहरण हमें भीमबेटका से प्राप्त होते हैं।

धार्मिक गुफा चित्रकला :-

① अजंता में बौद्ध, जैन तथा हिंदू परम्पराओं के चित्र प्राप्त होते हैं इनमें बुद्ध का स्वर्ग में स्वागत प्रमुख है।

② कार्ले के चैत्यों में भी हमें इधर-उधर बौद्ध धर्म के चित्रों की झलक मिलती है।

③ एलोरा की गुफा चित्र कला भी बौद्ध धर्म से की जातक कथाओं से परिपूर्ण है।

④ भीमबेटका की गुफा चित्र कला प्राग ऐतिहासिक काल के धार्मिक अनुष्ठानों से ऐतिहासिक काल तक के धार्मिक

क्रिया कलापों का सजीव वर्णन करती हैं।

धर्मनिरपेक्ष चित्रकला :→

① अजंता की गुफाओं में - मरणासन्न राजकुमारी का चित्र, पैर से काँटा निकालती नायिका - उस काल के सामाजिक जीवन की पर्याप्त झलक प्रदान करती है।

② लखुडियार, उत्तराखण्ड की चित्रकला आखेटक समाज के जीवन का सजीव चित्रण है।

③ भीमबेटका के चित्र भी विभिन्न सामाजिक - आर्थिक गतिविधियों का सजीव चित्रण करते हैं।

भारत की चित्रकला की समृद्ध परम्परा कमसे कम 10,000 सालों से लगातार चली आ रही है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. The Swadeshi movement started as an anti-partition movement, but became a multi-faceted mass movement after 1905. Elaborate.

(150 words) 10

स्वदेशी आंदोलन एक विभाजन विरोधी आंदोलन के रूप में शुरू हुआ, लेकिन 1905 के बाद यह एक बहु-आयामी जन आंदोलन बन गया। सविस्तार वर्णन कीजिए।

लार्ड कर्जन द्वारा बंगाल विभाजन की घोषणा के कारण 1905 में स्वदेशी आंदोलन का प्रारंभ हुआ।

शुरुआती कारण :→

① बंगाल विभाजन का विरोध
② साम्राज्यवाद का विरोध
③ कर्जन की प्रतिक्रियावादिता का विरोध
④ बहिष्कार द्वारा विरोध

1905 के बाद स्वदेशी आंदोलन के स्वरूप में परिवर्तन :→

① शिक्षा का स्वदेशीकरण :- देश में विभिन्न नेशनल कॉलेजों तथा राष्ट्रीय शिक्षा हेतु स्कूलों की स्थापना। राष्ट्रीय शिक्षा समिति की स्थापना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② कला का स्वदेशीकरण :- नंद लाल बोस को प्रथम चित्रकला हेतु छात्रवृत्ति; रविंद्र नाथ टैगोर द्वारा "आमार सोनार बंग्ला" गीत की रचना।

③ उद्योगों का स्वदेशीकरण :-
- बंगाल केमिकल्स की स्थापना - आचार्य P.C. रे द्वारा
- स्वदेशी वस्त्रों को प्रोत्साहन तथा विदेशी कपड़ों की होली।

④ राजनीतिक स्वदेशीकरण -
- पंचायतों द्वारा आपसी झगड़ों को सुलझाना (स्वदेश बांधव समिति) तथा अंग्रेजी कचहरीयों का बहिष्कार।

इस प्रकार 1905 का स्वदेशी आंदोलन दिन प्रतिदिन बहुआयामी होता गया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. Although the National Emergency of 1975 was a temporary blip in independent India's history, it emboldened the spirit and resistance of our democracy. Discuss. **(150 words) 10**

यद्यपि, स्वतंत्र भारत के इतिहास में 1975 का राष्ट्रीय आपातकाल एक अस्थायी आघात था, तथापि इसने हमारे लोकतंत्र की भावना और सहज-विरोध को प्रोत्साहित किया। चर्चा कीजिए।

भारत में आज़ादी के बाद से लगातार लोकतंत्र तथा लोकतांत्रिक संस्थाएं मजबूत रही है। हालांकि 1975 का आपातकाल एक अपवाद रहा है।

आपातकाल द्वारा लोकतंत्र की भावना पर प्रभाव :-

① 1975 के आपातकाल की प्रतिक्रिया जनता ने बहुत तीव्र दी तथा 1977 के चुनावों में कांग्रेस पार्टी को जबरदस्त पराजय मिली।

② जनता द्वारा जेल भरो आंदोलन तथा जे.पी. के आंदोलन को जबरदस्त समर्थन मिला।

③ संवैधानिक संस्थाओं जैसे सर्वोच्च न्यायालय ने आपातकाल के

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

दौरान किये गये कार्यों को अवैध घोषित किया।

③ आपातकाल ने प्रभावी विपक्ष की आवश्यकता पर बल दिया।

④ आपातकाल के दौरान मीडिया, सेंसरशिप ने बाद में मीडिया के विकास में अपना अतुलनीय योगदान दिया।

⑤ सबसे अंत में जनता के लोकतंत्र में विश्वास ने सत्ता में बैठे लोगों को यह बताया, कि वास्तविक शासक जनता है।

इस प्रकार आपातकाल ने हमारे लोकतंत्र को संस्थाओं के द्वारा तथा जन भागीदारी व चेतना के द्वारा मजबूत बनाया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Examine the relationship between the Walker Circulation and the Indian Monsoon. **(150 words) 10**

वाकर संचरण और भारतीय मानसून के बीच संबंध का परीक्षण कीजिए।

वाकर संचरण से तात्पर्य एक ऐसे वायु सेल से होता है जिसमें वायु का संचरण ऊर्ध्वाधर होता है।

यह मुख्य तः अल नीनो दक्षिणी दोलन से संबंधित होती है।

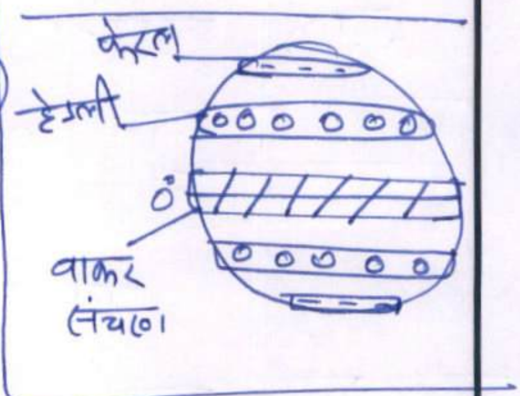

भारतीय मानसून तथा वाकर संचरण के गहन संबंध :→

① वाकर संचरण में हवाएं निम्न वायुमण्डल (ऊपरी मण्डल) में नीचे की ओर अवतलित होती हैं।

② इससे प्रति चक्रवातीय दशाएं उत्पन्न होती हैं।

③ इससे मानसून कमजोर होता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) भारत में इसके कारण अनुमान कम वर्षा होती है

(8) प्रशांत महासागर तथा द. अमेरिका में अनुमान भारी वर्षा रहता है

(6) इसके कारण अल नीनो - (ईO) दक्षिणी दोलन मजबूत होता है

हालांकि भारतीय मानसून पर अन्य कई कारकों जैसे हिंद महासागर (Positive Dipole) सकारात्मक द्विध्रुव आदि का भी प्रभाव पड़ता है

6. Identifying the factors responsible for formation of tides, discuss their geographic and economic significance. **(150 words) 10**

ज्वार-भाटा के निर्माण के लिए उत्तरदायी कारकों की पहचान करते हुए, उनके भौगोलिक और आर्थिक महत्व की विवेचना कीजिए।

ज्वार भाटा से तात्पर्य चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में समुद्री जल का उठना तथा पृथ्वी की गुरुत्व के प्रभाव से उसका गिरना होता है।

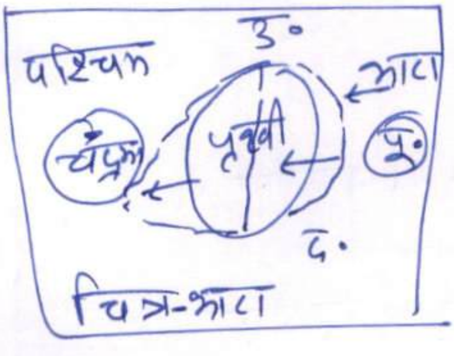

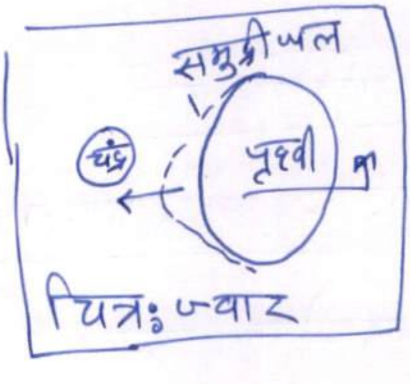

निर्माण हेतु उत्तरदायी कारक

① पृथ्वी तथा चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण बल।

② पृथ्वी के घूर्णन के कारण → अपकेंद्रीय बल।

③ पृथ्वी तथा चंद्र एवं सूर्य की अवस्थिति।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भौगोलिक महत्व

① तटीय चट्टानों का अपरदन तथा निक्षेपण।

② मैंग्रोव वनों के निर्माण में।

③ भूआकृतियों जैसे स्पिट, रेत के टीले, कंदराओं के निर्माण में।

आर्थिक महत्व

① ज्वारीय बंदरगाहों के निर्माण

② ज्वारीय ऊर्जा का निर्माण

③ मत्स्यन संबंधी गतिविधियाँ

इस प्रकार ज्वारीय धारायें एक विस्तृत आर्थिक सांस्कृतिक तथा भौगोलिक महत्व रखती है।

7. What are Rossby waves? Discuss the role played by them in shaping the climate of the earth. **(150 words) 10**

रॉस्बी तरंगें क्या हैं? पृथ्वी की जलवायु के निर्धारण में उनके द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका की विवेचना कीजिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. One of the reasons for increased global interest in Afghanistan is its endowment with key natural resources. Discuss. **(150 words) 10**

अफ़गानिस्तान में बढ़ते वैश्विक रुचि के कारणों में से एक यहां प्रमुख प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता है। चर्चा कीजिए।

हाल ही में अफगानिस्तान में तालिबान ने पुन: सत्ता प्राप्त कर ली लेकिन चीन समेत सम्पूर्ण विश्व की रुचि ~~अफगानि~~ यहाँ बढी है

प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता:-

① अफगानिस्तान में नमक, हींग तथा दुर्लभ मृदा धातुऐं प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं

② अफगानिस्तान में संभावित गैस तथा तेल के भण्डारों की उपस्थिति है।

③ दुर्लभ रत्नों की उपस्थिति:- सिंधु घाटी सभ्यता के समय से ही अफगानिस्तान में लाजवर्द मणि जैसे रत्न पाये जाते हैं

अन्य कारक

① भौगोलिक अवस्थिति :- अफगानिस्तान मध्य एशिया से व्यापार का एक मात्र मार्ग है

② आर्थिक कारक :- चीन की OBOR परियोजना तथा भारत की अन्तर्राष्ट्रीय उत्तर दक्षिण गलियारे का महत्वपूर्ण भाग इस क्षेत्र से निकलता है

③ सामरिक कारक → आंतकवाद तथा मध्यपूर्व के राष्ट्रों पर सामरिक नियंत्रण हेतु महत्वपूर्ण।

इस प्रकार अफगानिस्तान इतिहास में हमेशा की तरह साम्राज्यों का आकर्षण केंद्र बना हुआ है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. The traditional structure of the caste system has witnessed paradoxical changes over the last few decades in India. Comment. **(150 words) 10**

भारत में पिछले कुछ दशकों में जाति व्यवस्था की पारंपरिक संरचना में विरोधाभासी परिवर्तन देखे गए हैं। टिप्पणी कीजिए।

भारत में जाति व्यवस्था का इतिहास उतना ही पुराना है जितना पुराना लिखित इतिहास स्वयं है।

जाति व्यवस्था के अवयव

① अंत: जातीय विवाह
② खान पान के नियम
③ जजमानी प्रथा
④ जाती आधारित पेशा / रोजगार

विगत दशकों में आये परिवर्तन :-

① भारत में अब अन्तर्जातीय विवाह बढ़ने लगे हैं हालांकी बहुसंख्यक विवाह अभी भी जातिय ही होते हैं।

② बढ़ते वैश्विकरण के कारण खान पान के नियमों में ढील आयी है तथा आज रैस्त्रां में कोई भी किसी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जाति के अनुसार भोजन नहीं करता है। मांसाहार का प्रचलन उच्च वर्गों तथा ब्राह्मणों में भी हुआ है।

③ बढ़ते केंद्रीकरण से ग्रामीण समाज कमजोर हुआ है तथा जजमानी प्रथा तकरीबन खत्म हो गयी है।

④ अब पेशों का आधार योग्यता है। पूर्व कि तरह जन्म आधारित पेशों की व्यवस्था पूर्णतः खत्म हो चुकि है।

उपरोक्त परिवर्तनों में भारत में शिक्षा तथा संवैधानिक मूल्यों तथा लोकतंत्र का सर्वाधिक योगदान है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Economic empowerment of women is the key to ensure their social empowerment. Discuss in the context of India. **(150 words) 10**
महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण उनके सामाजिक सशक्तीकरण को सुनिश्चित करने की कुंजी है। भारत के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

भारत में 2005 में श्रम भागीदारी दर 37% (LFPR - women) से घटकर अब 23% के लगभग रह गयी है। (2021)

आर्थिक सशक्तिकरण के कारक :→

① रोजगार (आय सुरक्षा)
② सम्पत्ति अधिकार
③ आर्थिक गतिशीलता तथा वित्तीय उत्पादों जैसे बीमा, ऋण आदि तक पहुँच।

[आर्थिक सशक्तिकरण के महिला सशक्तिकरण पर प्रभाव (सामाजिक))

① शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित होता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② पारिवारिक निर्णयों में भागीदारी बढती है
③ परिवार नियोजन बढता है
④ आर्थिक गतिशीलता सामाजिक गतिशीलता लाती है
⑤ पुरुष सत्तावादी समाज का मानसिकता परिवर्तन।
⑥ महिलाओं को समानता का अधिकार मिलता है
⑦ घरेलु हिंसा में कमी - NCRB 2019 - घरेलु हिंसा की शिकार 93% महिलायें बेरोजगार थीं

इस प्रकार सामाजिक तथा आर्थिक विकास अलग-अलग नहीं अपितु एक दुसरे के पूरक के तौर पर कार्य करते है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. India has the highest number of endangered languages in the world as per the UNESCO. In this context, discuss the factors that have endangered native languages in India and highlight the steps taken to conserve and protect these languages. **(250 words) 15**

यूनेस्को के अनुसार, विश्व में संकटग्रस्त भाषाओं की सर्वाधिक संख्या भारत में हैं। इस संदर्भ में, उन कारकों की विवेचना कीजिए जिन्होंने भारत में देशज भाषाओं को संकटग्रस्त बना दिया है और इन भाषाओं के संरक्षण और सुरक्षा हेतु उठाए गए कदमों पर प्रकाश डालिए।

भारत में 6000 से अधिक बोलियाँ तथा भाषायें हैं। हालांकी दुर्भाग्य से आज इनमें से पीछले 30 सालों में 267 से अधिक विलुप्त हो गयी हैं।

देशज भाषाओं के संकटग्रस्त होने के कारण :→

① बड़े पैमाने पर विस्थापन तथा प्रवास →

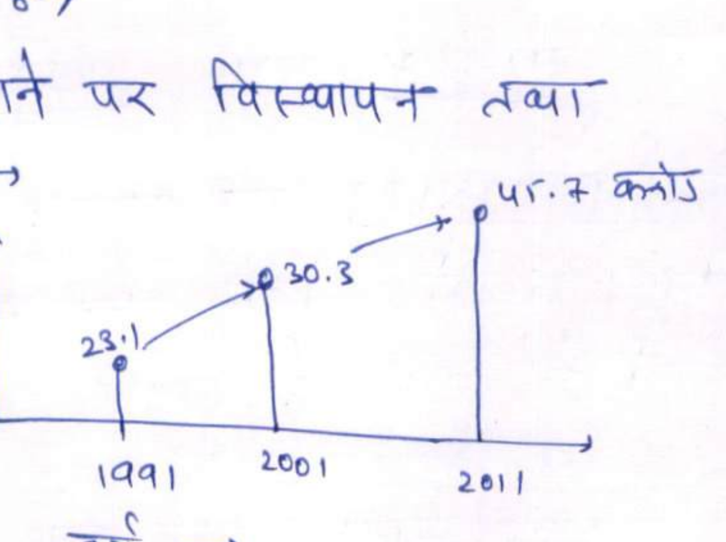

② देशज भाषाओं में शिक्षा ~~[illegible]~~ का न होना संविधान में 22 शास्त्रीय भाषायें; अतः मुख्यतः इन्हीं में शिक्षा को प्रोत्साहन।

③ रोजगार के लिये देशज भाषाओं का उपयुक्त न होना → चूंकि देशज भाषा भाषी समुदाय छोटे होते हैं।

④ विश्वविद्यालयों में देशज भाषाओं में शोध तथा संरक्षण कार्य न होना।

⑤ राजनैतिक कारक तथा नीतियों का समावेशी न होना। उदाहरण - भारतीय भाषा आंदोलन; इससे देशज भाषाओं की उपेक्षा हो गयी।

⑥ भाषाओं के संरक्षण हेतु उठाये गये कदमों का अपर्याप्त तथा अप्रभावी होना।

⑦ देशज भाषाओं का प्राय: अलिखित होना। इससे इनका ~~संर~~ संरक्षण करने में कठिनाई होना।

सरकार द्वारा उठाये गये कदम

① संविधान के अनुच्छेद 30 में भाषायी अल्पसंख्यकों के लिये प्रावधान है।

② जनजातिय कल्याण मंत्रालय तथा UNESCO मिलकर देशज भाषाओं का डिजिटलीकरण कर रहे हैं

③ वन अधिकार अधिनियम, पेसा अधिनियम तथा संविधान की 5वीं व 6वीं अनुसूचियों के द्वारा जनजातिय समुदाय के सांस्कृतिक तथा आर्थिक हितों की सुरक्षा जिससे देशज भाषाओं को संरक्षण मिलेगा।

हालांकी आवश्यकता है हमें खाखा आयोग (XAXA) की सिफारिशों तथा समावेशी विकास के लिये अग्रसर होनी की हमें बहुलवादी संस्कृति के तहत अपनी भाषायी विविधता का ~~साथ~~ संरक्षण करना होगा।

"जब एक भाषा विलुप्त होती है तो एक साथ हजारों वर्षों का ज्ञान नष्ट होता है" - UNESCO

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. The policy of 'Subsidiary Alliance' helped in establishing British control over internal affairs of Indian states without incurring any direct imperial liability. Discuss. **(250 words) 15**

'सहायक संधि' की नीति ने बिना किसी प्रत्यक्ष साम्राज्यिक दायित्व के भारतीय रियासतों के आंतरिक मामलों पर ब्रिटिश नियंत्रण स्थापित करने में सहायता प्रदान की। चर्चा कीजिए।

भारत में 'सहायक संधि' का वास्तविक जनक डूप्ले था। जिसका उसने कर्नाटक के युद्धों में प्रथम बार प्रयोग किया।

सहायक संधि के प्रमुख तत्व

① अंग्रेजी सेना का देशी राज्यों की रक्षा का दायित्व मिला।

② बदले में देशी राज्यों द्वारा अंग्रेजी सेना के रखरखाव का खर्च उठाना पड़ता था।

③ देशी राज्य अंग्रेजों (कम्पनी) के बिना अनुमति के युद्ध अथवा शांति के फैसले नहीं ले सकते थे।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

साम्राज्यिक दायित्वों से मुक्ति :→

① 1757 प्लासी की जंग के बाद एकबारगी कम्पनी राज पर आर्थिक दबाव आया था। लेकिन सहायक संधि ने कम्पनी की सैन्य तथा युद्ध आवश्यकताओं का वित्तीय बोझ भारतीय रियासतों पर डाल दिया।

② अब ब्रिटिश सेना का दूरस्थ इलाकों में अभियानों हेतु भेजना सुगम हो गया।

आंतरिक मामलों में ब्रिटिश नियंत्रण।

① राजा अब प्रायः ब्रिटिश रेजीडेंट की अनुमति व परामर्श के बगैर विदेश नीति नहीं तय कर सकते थे।

② राज्यों की वित्तीय स्थिति खराब होती चली गयी चूंकि ब्रिटिश सेना का खर्च अधिक था।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) राज्यों में अकसर अब अंग्रेज रेजीडेंट दैनादिन प्रशासन में सुशासन के नाम पर हस्तक्षेप करने लगे।
उदाहरण - अवध

(4) कम्पनी प्राय: उत्तराधिकार के विवादों का भी फैसला लेने लगी।

इस प्रकार सहायक संधि प्रथा ने भारतीय रियासतों को कम्पनी के अधीन ला खड़ा किया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. "Before 1857 the British were effectively working against the traditional grain of Indian society; afterwards they were working with it". Comment. **(250 words) 15**

"1857 से पूर्व अंग्रेज भारतीय समाज के पारंपरिक स्वरूप के विरुद्ध प्रभावी ढंग से कार्य कर रहे थे, लेकिन बाद में उन्होंने इसके साथ कार्य किया।" टिप्पणी कीजिए।

1857 की क्रांति का ~~ड~~ एक प्रमुख कारण अंग्रेजों द्वारा भारत में ~~धर्म~~ समाज सुधार तथा सभ्यता का प्रचार भी था। किंतु 1857 के बाद अंग्रेजों की नीति में परिवर्तन आया।

1857 के पूर्व अंग्रेजों के कार्य :-

उचित

① भारत में स्त्रीयों की दशा सुधारने के प्रयास -

- बालिका शिशु वध प्रतिबंध अधिनियम
- सती प्रथा प्रतिबंध
- ~~विवध~~ विधवा पुनर्विवाह अधि॰
- शिक्षा के प्रयास - बैथुन स्कूल आदि

② शिक्षा संबंधी सुधार →

→ अंग्रेजी शिक्षा का प्रसार -

"मैकाले स्मरण पत्र"

→ सरकार द्वारा शिक्षा की जिम्मेदारी

"वुड डिस्पैच"

अनुचित कार्य

① लेक्स लोकी अधिनियम - उत्तराधिकार में धर्म परिवर्तन (ईसाई) बनने पर भी अधिकार।

② गोद प्रथा का अंत

③ हिंदूओं तथा मुसलमानों का धार्मिक अपमान।

④ जनरल सर्विस एनलिस्टमेंट अधि. द्वारा जबरन समुद्र पार सेवाएं लेना।

1857 के बाद अंग्रेजी नीति में परिवर्तन

① रूढ़ीवादी प्रतिक्रियावादियों के साथ सहयोग।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② धार्मिक कट्टरवाद तथा सम्प्रदायवाद की नीति का प्रारंभ उदाहरण - मुस्लिम लीग की स्थापना तथा साम्प्रदायिक निर्वाचन

③ समाजसुधारों से हाथ खींच लेना।

④ धार्मिक मामलों में अहस्तक्षेप नीति उदाहरण के लिये रुकमाबाई मामला।

1857 की क्रांति के बाद अंग्रेजों को यह समझ आ गया कि भारतीय अपने रूढ़ीवादी विचारों तथा धर्म के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हैं। ऐसे में उन्होंने धर्म तथा परम्पराओं से छेड़छाड़ पुनः नहीं किया और भारत का सामाजिक विकास रुक गया।

14. Enumerating the revolutionary maxims propounded by Sun Yat-sen, discuss the conditions that led to the revival of Chinese nationalism in the early 20th century. **(250 words) 15**

सन यात-सेन द्वारा प्रतिपादित क्रांतिकारी सिद्धांतों को सूचीबद्ध करते हुए, उन परिस्थितियों पर चर्चा कीजिए जिनके कारण 20वीं शताब्दी की शुरुआत में चीनी राष्ट्रवाद का पुनरुत्थान हुआ।

1899 के बॉक्सर विद्रोह की असफलता के बाद चीन में मंचू शासन का ~~अंत~~ जनता में विरोध हुआ तथा चीन पर विदेशी ताकतों का शिकंजा कस गया।

सन यात सेन जो कि पेशे से एक डॉक्टर थे उन्होंने

15. Based on their geological age, present a brief account of the classification and distribution of coal reserves in India. Also, discuss the ongoing stress in the coal sector in India. **(250 words) 15**

भारत में कोयला भण्डारों की भूवैज्ञानिक आयु के आधार पर, उनके वर्गीकरण एवं वितरण का एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए। साथ ही, भारत में कोयला क्षेत्र में जारी दबाव पर भी चर्चा कीजिए।

भारत में विश्व के तीसरे सबसे बड़े कोयला भंडार है तथा यह विश्व का दूसरा सबसे बड़ा कोयला उपभोक्ता राष्ट्र भी है।

~~① गोंडवाना~~

कोयला वर्गीकरण

भारत में प्राप्त कोयला प्रमुखत: लिग्नाइट श्रेणी का होता है जिसमें राख तथा सल्फर की उच्च मात्रा होती है।

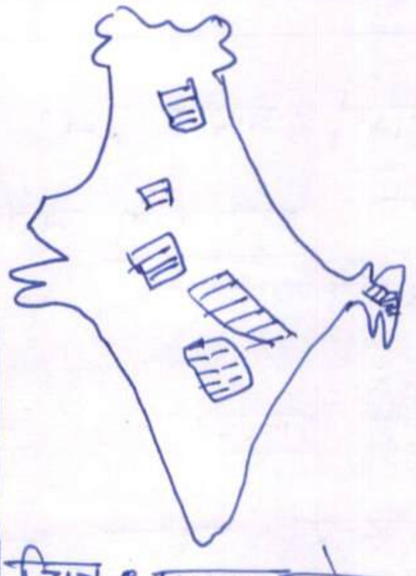

चित्र : प्रमुख कोयला भंडार

प्रमुख प्रकार →

① ऐंथ्रेसाइट
② बिटुमिनस
③ लिग्नाइट
④ पीट

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत कोयला अंगारों की आयु तथा निर्माण काल :→

भारतीय कोयला अधिकांशतः गोंडवाना काल का है। तथा तत्पश्चात टरशियरी काल के कुछ निक्षेप पाये जाते हैं।

कोयले का भौगोलिक वितरण

① पश्चिमी भारत :→ यहाँ का अधिकांश कोयला अरावली तथा विंध्याचल पर्वत श्रृंखलाओं के समीप अवस्थित है

② पूर्वी भारत :- यहाँ छोटानागपुर का पठार तथा उड़ीसा का सिंहभूम क्षेत्र व्यापक कोयला भण्डार समेटे हैं

③ उत्तर पूर्वी भारत :- असम, नागालैंड तथा अरुणाचल में प्रमुख भंडार हैं लेकिन व्यवस्थित खनन नहीं होता।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) दक्षिण तथा प्राय द्वीपीय भारत जहाँ पश्चिमी तथा पूर्वी घाट के प्रदेश जिनमें कर्नाटक तथा आंध्र प्रदेश प्रमुख हैं।

भारत में कोयला क्षेत्र पर दबाव

(1) भारी मांग तथा उत्पादन संबंधी अंतराल - भारत की (2/3) ऊर्जा जरूरतें कोयले से पूरी होती हैं।

(2) कोयला क्षेत्रों का पर्यावरणीय संवेदनशील इलाकों में होना।

(3) जलवायु परिवर्तन के कारण अवलम्बी मानसून अवधि के कारण खानों में पानी भरना।

(4) घटीया गुणवत्ता तथा महंगा होने के कारण आयतित कोयले से प्रतिस्पर्धा।

(5) निजी क्षेत्र का न होना।

इस प्रकार भारत का कोयला क्षेत्र भारी मांग तथा गुणवत्ता की दोहरी चुनौतियों से जूझ रहा है।

16. In view of the importance of Blue Economy to New India Vision 2030, delineate the distribution of key ocean minerals that can be help India realise its potential. **(250 words) 15**

न्यू इंडिया विज़न 2030 के लिए ब्लू इकोनॉमी के महत्व को देखते हुए, उन प्रमुख समुद्री खनिजों के वितरण को चित्रित कीजिए जो भारत को अपनी क्षमता को समझने में मदद कर सकते हैं।

भारत सरकार ने विभिन्न कार्यक्रमों तथा योजनाओं द्वारा ब्लू इकोनॉमी की महत्वकांक्षा व्यक्त की है भारत की 7500 Km लम्बी तटरेखा इसे यह अवसर भी प्रदान करती है

ब्लू इकोनॉमी के घटक

1. समुद्री खनिज
2. समुद्री व्यापार
3. मत्स्यन
4. रोजगार (समुद्री
5. पर्यटन)
6. समुद्री ऊर्जा का दोहन पवन तथा ज्वार भाटा

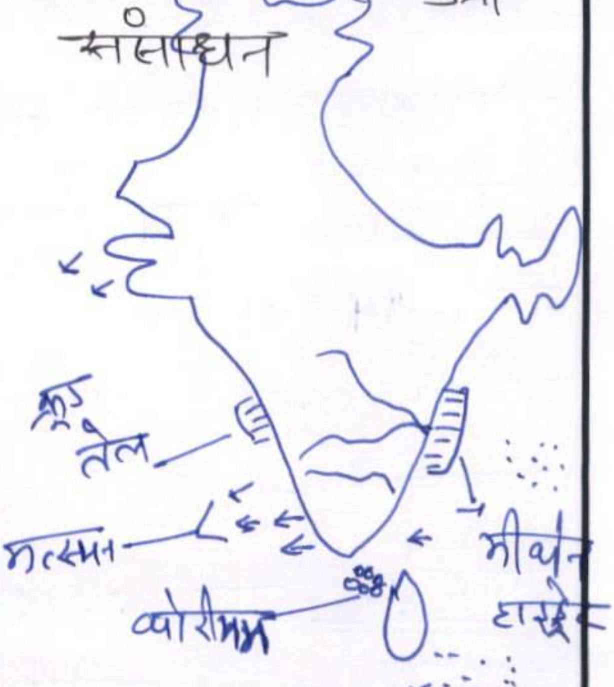

चित्र: भारत के समुद्री संसाधन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रमुख खनिज

① क्रूड ऑयल :- भारत में बाम्बे हाई जैसे समुद्री कच्चे तेल के भण्डार मौजूद है।

② मीथेन हाइड्रेट → ये कावेरी तथा कृष्णा गोदावरी नदी (KG) बेसिन में पाये जाते है

③ पॉली मेटालिक नोड्यूल (PMN) → इनमें ताँबा, निकल तथा सिलकॉन जैसे रेयर अर्थ धातुयें शामिल है।

④ रामेश्वरम तट पर विश्व के 96% थोरियम भंडारों की उपस्थिति होना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपरोक्त खनिजों का महत्व :-

① भारत की ऊर्जा सुरक्षा → वर्तमान में 80% ऊर्जा आवश्यकतायें आयातित तेल से पूरी होती हैं।

② विदेशी मुद्रा भण्डार की बचत।

③ (PMN) द्वारा भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स (ESDM) क्षेत्र का विकास।

④ भारत के सामरिक लाभांश के संदर्भ में ब्लू वाटर इकोनोमी अत्यन्त महत्वपूर्ण।

भारत ने वर्तमान में नयी हाइड्रोकार्बन अन्वेषण नीति (HELP), सागर पहल, भारत माला परियोजना आदि के द्वारा ब्लू इकोनोमी हेतु प्रयास शुरू कर दिये हैं

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. What is Atlantic Meridional Overturning Circulation (AMOC)? Discuss the reasons for recent decline in the AMOC and its associated impact.

(250 words) 15

अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन (AMOC) क्या है? AMOC में हालिया अवनति के कारणों और इससे संबंधित प्रभावों पर चर्चा कीजिए।

'अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन' (AMOC) एक प्रकार की महासागरीय 'कन्वेयर बेल्ट' है। जो समुद्री जल को उत्तरी अटलांटिक महासागर में परिसंचारित करती है।

AMOC कैसे कार्य करता है?

समुद्री धारायें जल को गर्म से ठंडे स्थानों पर ले जाती हैं। फिर आर्कटिक के पास

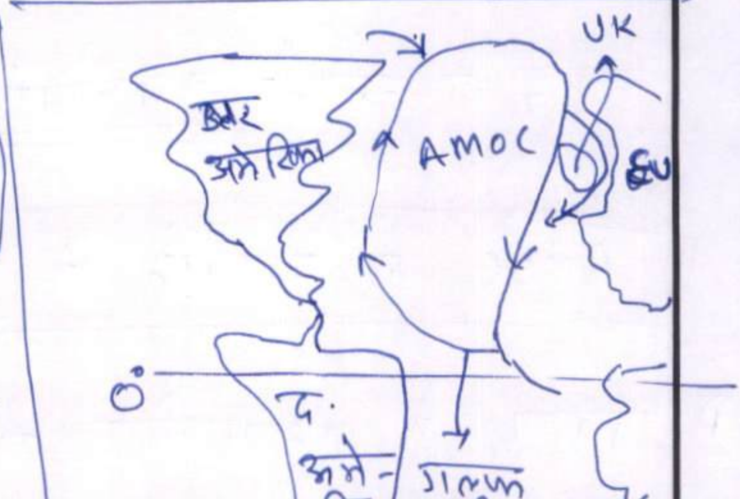

चित्र- AMOC

बर्फ के पिघलने के कारण तथा अधिक जल जमाव के कारण लवणीय जल नीचे बैठता है और एक मंद समुद्री धारा प्रारंभ होती है यह जलधारा समुद्री की सतह के नीचे चलती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Amoc द्वालिया अवनति के कारण :-

① उत्तरी ग्रुवीन बर्फ का - जलवायु परिवर्तन के कारण तेजी से पिघलना।

② यूरोप में अत्यधिक वर्षण के कारण ताजे पानी का समुद्र में मिलना।

③ समुद्र के सतही तापमानों में वृद्धि।

Amoc के अवनति के प्रभाव।

① विश्व के महासागरों में Amoc एक महत्वपूर्ण कडी है इसका प्रभाव सभी महासागरीय परिसंचरणों पर होगा।

② Amoc के कारण पूर्वी अमेरिकी तट (न्यू यॉर्क) पर अति मौसमी दशायें लू का प्रकोप रहेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ समुद्री परिसंचरण में पोषण का संचरण रुकेगा जिससे नुकसान होगा।

④ मत्स्यन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

⑤ यूरोप में बाढ़ों का खतरा बढ़ेगा।

IPCC-6 की रिपोर्ट के अनुसार AMOC को उन 9-बिंदुओं में शामिल किया गया है जिनके कारण दुनिया पर विनाशकारी व अपरिवर्तनीय प्रभाव पड़ेंगे।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. Recent reports and National Family Health Surveys have signalled a monumental shift in Indian demographics. Highlighting this shift, discuss the challenges that it will pose. Also, suggest remedial measures.

(250 words) 15

हालिया रिपोर्ट्स और राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षणों ने भारतीय जनसांख्यिकी में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत दिया है। इस बदलाव को रेखांकित करते हुए, उन चुनौतियों की विवेचना कीजिए जो इसके कारण उत्पन्न होंगी। साथ ही, उपचारात्मक उपायों का भी सुझाव दीजिए।

NFHS-5 (2019-21) के अनुसार भारत की कुल जनसांख्यिकी में महिलाओं का लिंगानुपात प्रथम बार पुरुषों से अधिक हो गया [1020/1000]

[अन्य महत्वपूर्ण बदलाव :→]

① भारत में वृद्धों की जनसंख्या का SECC 2011 के 8.6% से 11% होना तथा 2050 तक 20% होने का अनुमान।

② भारत की सकल प्रजननदर का गिरकर [1.9] रह जाना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

महिलाओं के लिंगानुपात में वृद्धि के कारण

① भारत सरकार के बालिका संरक्षण कार्यक्रमों की सफलता जैसे "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ"।

② अच्छी स्वास्थ्य सेवाओं तक प्रभावी पहुँच।

③ सस्ती तथा नवीन स्वास्थ्य सेवाएं- जेब से खर्च NFHS 4 - 8700₹
NFHS-⑤ → 2554 ₹

④ महिला सशक्तिकरण तथा बेहतर शिक्षा का प्रसार →
उच्च शिक्षा में महिलाएं (2020) 26.1% जबकि पुरुष नामांकन 25%।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

चुनौतियाँ :|

① बुढ़ापे का महिलाकरण :→ चूँकि बाल लिंगानुपात में महज 3 अंकों की वृद्धि हुयी है (NFHS-4 929/1000 ; NFHS-5 - (932/1000)

② वृद्धावस्था संबंधित समस्यायें.
- ↳ अशिक्षा ↳ वैधव्य (विधवापन)
- ↳ गरीबी ↳ बीमारियों का बोझ
- ↳ परिवार की उपेक्षा तथा अकेलापन

समाधान

① वृद्धावस्था हेतु सामाजिक सुरक्षा।
- ↳ स्वास्थ्य बीमा ↳ पेंशन
- ↳ राष्ट्रीय वय वंदना योजना, अटल पेंशन योजना

② स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तथा निशुल्क पहुँच -
राष्ट्रीय वयोश्री योजना, आयुष्मान भारत योजना, PM-जन औषधि केंद्र।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. Looking at all poverty from the rural perspective and applying rural solutions to urban conditions will not yield results. Discuss the statement in context of differences between urban and rural poverty in India.

(250 words) 15

सभी प्रकार की निर्धनता को ग्रामीण दृष्टिकोण से देखने और शहरी परिस्थितियों के लिए ग्रामीण समाधानों को लागू करने से परिणाम नहीं निकलेंगे। भारत में शहरी और ग्रामीण निर्धनता के बीच अंतर के संदर्भ में इस कथन की विवेचना कीजिए।

भारत में 69% आबादी गाँवों में तथा 31% आबादी शहरों में निवास करती है। जबकि भारत में 30% के करीब गरीबी ग्रामीण भारत में है और 13% शहरी भारत में है।

ग्रामीण निर्धनता के कारक :-

1. खाद्य सुरक्षा
2. कम आय
3. छिपी बेरोजगारी
4. अकाल / सूखा
5. फसल खराबा
6. कर्ज
7. अशिक्षा
8. स्वास्थ्य संबंधी कारण

भारत में शहरी निर्धनता के कारण

① आवास का अभाव → मलिन बस्तियों में रहना पड़ता है।

② महँगा किराया → अधिकांश भाग

③ रोजगार का प्राप्त: असंगठित क्षेत्र में होना।

④ स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च :- NFHS-4 के अनुसार 1.5 लाख लोग प्रति वर्ष गरीबी रेखा के नीचे चले जाते हैं।

⑤ अल्प रोजगार अथवा कम निर्वाह मजदूरी मिलना।

ग्रामीण भारत में गरीबी उन्मूलन समाधान

① रोजगार गारंटी योजनायें जैसे मनरेगा।

② कृषि सुधार तथा सिंचाई विकास

कार्यक्रम।

③ पशुपालन तथा मिश्रित कृषि प्रोत्साहन
④ शिक्षा का प्रसार
⑤ सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं का विकास
⑥ कृषि ऋणों तक पहुँच (संस्थागत)

~~शहरी~~

शहरी भारत में गरीबी उन्मूलन समाधान

① कौशल विकास कार्यक्रम
② संगठित क्षेत्रों में रोजगार सृजन
③ स्वरोजगार तथा msme क्षेत्रों को प्रोत्साहन
④ सस्ते आवास तथा ऋण सेवाओं तक पहुँच।
⑤ सस्ती परिवहन सेवाओं का विस्तार।

इस प्रकार शहरी तथा ग्रामीण भारत में गरीबी ~~तथा~~ के कारण तथा समाधान अलग² हैं। SDG ① तथा ② के लिये भारत सरकार को उपरोक्त उपायों को अपनाने की आवश्यकता है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. Regional movements are often conservative in orientation, supported by traditional social classes and religious groups and oppose social change imposed by modernity. Critically discuss in the context of India.

(250 words) 15

क्षेत्रीय आंदोलन प्रायः रूढ़िवादी होते हैं, पारंपरिक सामाजिक वर्गों और धार्मिक समूहों द्वारा समर्थित होते हैं और आधुनिकीकरण के कारण आए सामाजिक परिवर्तनों का विरोध करते हैं। भारत के संदर्भ में समालोचनात्मक चर्चा कीजिए।

क्षेत्रीय आंदोलन से तात्पर्य उन आंदोलनों से होता है जो किसी क्षेत्र विशेष के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़े होते हैं।

अमूमन क्षेत्रीय आंदोलन किसी क्षेत्र विशेष में :-
① पहचान ② भाषा
③ राजनैतिक अधिकारों को लेकर शुरू होते हैं।

उदाहरण - मराठा आंदोलन

रूढ़िवाद

① इन आंदोलनों में प्राचीन प्रथाओं तथा रूढ़ियों का समर्थन किया

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

जाता है।

② इनमें जातिय पूर्वाग्रह तथा महिलाओं के प्रति संकीर्णता भी देखी जाती है।

③ अकसर इनमें अतीत की ओर पलायनवादी रुख होता है।

सामाजिक वर्ग समर्थन

① मराठा आंदोलन में मराठा सामाजिक वर्ग का समर्थन था

② गोरखा आंदोलन में गोरखा जाति का समर्थन था।

धार्मिक समूह समर्थन

① मराठा आंदोलन में शिवाजी के हिंदू पुनरुद्धारक के तौर पर पूजा।

② मराठा आंदोलन में साम्प्रदायिक विद्वेष।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सामाजिक परिवर्तन का विरोध

① महिलाओं के अधिकारों के विरुद्ध
② जातीय श्रेष्ठता तथा जातिवाद समर्थन
③ सामाजिक समरसता का विरोध
④ धार्मिक सद्भाव तथा सहिष्णुता विरोध।
⑤ औद्योगिक विकास तथा अन्य विकास परियोजनाओं का विरोध

इस प्रकार क्षेत्रीय आंदोलन अक्सर रूढ़ीवाद तथा अतीतोन्मुखी होते है।